www.ncerthelp.com

हिंदी (ऐच्छिक) कोड सं० 002

कक्षा - 11 (2013-14)

खण्ड		विषय	अंक
(क)		**अपठित बोध**	**15**
	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न	10
	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित पाँच लघुत्तरात्मक प्रश्न	05
(ख)		**कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन (पुस्तकः अभिव्यक्ति और माध्यम)**	**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	05
	6.	व्यावहारिक लेखन (प्रतिवेदन, कार्यसूची, कार्यवृत्त इत्यादि) पर एक प्रश्न	05
(ग)		**पाठ्यपुस्तकें**	
	1)	**अंतरा भाग-1**	**35**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या	08
	8.	कविता के कथ्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविताओं के काव्य-सौंदर्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**15**
	10.	एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या	04
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर दो प्रश्न (3+3)	06
	12.	किसी एक लेखक/कवि का साहित्यिक परिचय	05
	2)	**अंतराल भाग-1**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	13.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
(घ)		**मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन)**	**10**
		कुल	**100**

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन) हेतु दिशा निर्देश

श्रवण (सुनना): वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।

वाचन (बोलना): भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।

वार्तालाप की दक्षताएँ:

टिप्पणी: वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) कौशल के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) कौशल का मूल्यांकन:

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। अध्यापक को सुनते-सुनते परीक्षार्थी अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्तस्थान-पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। आधे-आधे अंक के 10 प्रश्न लिये जा सकते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति (बोलना) का मूल्यांकन:

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन:** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विद्यार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन:** चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. **किसी निर्धारित विषय पर बोलना:** जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
4. **कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।**

टिप्पणी:

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों। जैसे: कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना।
   हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे हुए चलचित्र (सिनेमा) की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करे।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1.	परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1.	केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
3.	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	3.	परिचित संद्र्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	5.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है, जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
7.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	7.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा–प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती।
9.	जटिल कथनों के विचार–बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है। वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	9.	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, ऐसा करते समय वह केवल मामूली गलतियाँ करता है।

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **अंतरा भाग–1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **अंतराल भाग–1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** – एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड–ख **कामकाज़ी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु**)

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...